संख्या-313/2018/2718/22-2-2017-17(679)/2017

प्रेषक,

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 ***लखनऊ: दिनांक 16 अप्रैल, 2018***

विषय:- जिला कारागार, उन्नाव में निरूद्ध सीमित सजा से दण्डित सिद्धदोष बन्दी अंचन उर्फ रविशंकर पुत्र श्री बालकराम मिश्रा निवासी जनपद-उन्नाव की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-35977/प्रोबेशन-7/सीमित सजा(एम-06.09.2016) दिनांक 04.10.2017 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार जिला कारागार, उन्नाव में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी अंचन उर्फ रविशंकर पुत्र श्री बालकराम मिश्रा निवासी, जो- सलेमपुर, थाना-बांगरमऊ, जनपद-उन्नाव का रहने वाला है। दहेज में सोने की चैन, भैंस एवं रंगीन टी0वी0 की मांग पूरी न होने पर बन्दी ने 04 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर दिनांक 04.05.2006 को दोपहर लगभग 03:00 बजे जला दिया। जिससे उसकी मृत्यु हो गयी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-393/2006 में भा0द0वि0 की धारा-498ए, 304बी एवं 4 दहेज प्रतिशेध अधिनियम के अन्तर्गत मा0 अपर सत्र न्यायाधीश (कोर्ट सं0-2), उन्नाव के आदेश दिनांक 09.01.2008 द्वारा सात वर्ष के सश्रम कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया, जिसे मा0 उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 05.09.2013 द्वारा यथावत रखा गया। बन्दी द्वारा दिनांक 21.03.2016 तक 04 वर्ष 00 माह 15 दिन की अपरिहार सजा तथा 04 वर्ष 07 माह 02 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। प्रोबेशन बोर्ड की आख्या में यह उल्लेख किया गया है बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता, जघन्यता, जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, उन्नाव द्वारा समयपूर्व रिहाई का विरोध किये जाने के दृष्टिगत यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी अंचन उर्फ रविशंकर पुत्र श्री बालकराम मिश्रा को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

3- अतः उपरोक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि अंचन उर्फ रविशंकर (बन्दी संख्या-241/2014) पुत्र श्री बालकराम मिश्रा निवासी जनपद-उन्नाव के फार्म-ए पर यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के प्राविधानों के अन्तर्गत सम्यक् विचारोपरान्त उसे मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की लाइसेन्स पर मुक्ति शासन द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। तदनुसार उसके फार्म-ए पर शासन के आदेश अंकित करके एतद्द्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नकः यथोपरि।

(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

संख्या-313/2018/2718(1)/22-2-2017 तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1- जिला मजिस्ट्रेट, उन्नाव।

2- अधीक्षक, जिला कारागार, उन्नाव।

3- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार विभाग को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।

4- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(कलाम मुहीउद्दीन)
उप सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

शासनादेश सख्या-313/2018/2718/22-2-2017-17(679)/2017

दिनांक 16 अप्रैल, 2018 का संलग्नक

<u>सरकार के आदेश</u>

जिला कारागार, उन्नाव में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी अंचन उर्फ रविशंकर पुत्र श्री बालकराम मिश्रा निवासी, जो- सलेमपुर, थाना-बांगरमऊ, जनपद-उन्नाव का रहने वाला है। दहेज में सोने की चैन, भैंस एवं रंगीन टी0वी0 की मांग पूरी न होने पर बन्दी ने 04 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर दिनांक 04.05.2006 को दोपहर लगभग 03:00 बजे जला दिया। जिससे उसकी मृत्यु हो गयी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-393/2006 में भा0द0वि0 की धारा-498ए, 304बी एवं 4 दहेज प्रतिशेध अधिनियम के अन्तर्गत मा0 अपर सत्र न्यायाधीश (कोर्ट सं0-2), उन्नाव के आदेश दिनांक 09.01.2008 द्वारा सात वर्ष के सश्रम कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया, जिसे मा0 उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 05.09.2013 द्वारा यथावत रखा गया। बन्दी द्वारा दिनांक 21.03.2016 तक 04 वर्ष 00 माह 15 दिन की अपरिहार सजा तथा 04 वर्ष 07 माह 02 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। प्रोबेशन बोर्ड की आख्या में यह उल्लेख किया गया है बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता, जघन्यता, जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, उन्नाव द्वारा समयपूर्व रिहाई का विरोध किये जाने के दृष्टिगत यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी अंचन उर्फ रविशंकर पुत्र श्री बालकराम मिश्रा को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है। उक्त के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त शासन द्वारा बन्दी की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई अस्वीकार किये जाने का निर्णय लिया गया है।

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in